

वर्ल्ड लॉयन डे, 2022

शेरों और उनके संरक्षण के संदर्भ में लोगों को जागरूक और शक्ति कराने हेतु प्रतिवर्ष 10 अगस्त को ['वर्ल्ड लॉयन डे'](#) मनाया जाता है।

वर्ल्ड लॉयन डे/वशिव शेर दविस एवं इसका महत्त्व:

- **परिचय:**
 - वर्ल्ड लॉयन डे/वशिव शेर दविस का उद्देश्य शेरों के बारे में जागरूकता का वस्तितार और उनके संरक्षण के लिये प्रयास करने के साथ सभी लोगों को “शेरों का उनके प्राकृतिक आवास में महत्त्व” के संदर्भ में जागरूक करना है।
 - शेरों के संरक्षण की पहल वर्ष 2013 में शुरू हुई थी और इसी वर्ष पहला ‘वशिव शेर दविस’ भी आयोजित किया गया था।
- **महत्त्व:**
 - पारस्थितिक चक्र में शेरों के स्थान या महत्त्व को समझने का अवसर एवं साथ ही उनका वलुप्त होना मनुष्यों के लिये खतरनाक संकेत हो सकता है।
 - शेर लगभग तीन मिलियन वर्ष पहले एशिया, अफ्रीका, यूरोप और मध्य पूर्व में पाए जाते थे, हालाँकि पाँच दशकों के दौरान उनकी संख्या में लगभग 95% की कमी आई है।

शेर:

- **वैज्ञानिक नाम: पैथेरा लियो**
 - शेर को दो उप-प्रजातियों में वर्गीकृत किया गया है: **अफ्रीकी शेर (पैथेरा लियो लियो)** और **एशियाई शेर (पैथेरा लियो परसिका)**।
 - एशियाई शेर अफ्रीकी शेरों की अपेक्षाकृत छोटे होते हैं।
 - एशियाई शेरों में पाए जाने वाली सबसे महत्त्वपूर्ण रूपात्मक विशेषता यह है कि उनके पेट की त्वचा पर वशिष्ट लंबवत फोल्ड होते हैं। यह विशेषता अफ्रीकी शेरों में काफी दुर्लभ होती है।
- **प्राणजगत में शेरों की भूमिका**
 - शेर वन पारस्थितिकी तंत्र में एक महत्त्वपूर्ण स्थान रखते हैं, वह अपने आवास का शीर्ष शिकारी है, जो चरवाहों की आबादी को नियंत्रित कर पारस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में मदद करता है।
 - शेर अपने शिकार की आबादी को स्वस्थ रखने और उनके बीच लचीलापन बनाए रखने में भी योगदान देते हैं, क्योंकि वे झुंड के सबसे कमज़ोर सदस्यों को नशाना बनाते हैं। इस प्रकार अप्रत्यक्ष रूप से शिकार आबादी में रोग नियंत्रण में मदद करता है।
- **खतरा:**
 - अवैध शिकार, एक स्थान पर रहने वाली एक ही तरह की आबादी से उत्पन्न आनुवंशिक अंतरप्रजनन, रोग जैसे- प्लेग, कैनाइन डिसिंटेपर या प्राकृतिक आपदा।
- **संरक्षण स्थिति:**
 - **IUCN रेड लिस्ट:** संवेदनशील
 - एशियाई शेर: संकटग्रस्त
 - **CITES:** भारतीय आबादी के लिये परशिष्ट- I एवं अन्य सभी आबादी परशिष्ट- II
 - **वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972:** अनुसूची I
- **भारत में स्थिति:**
 - भारत एशियाई शेरों का घर है, जो **सासन-गरि राष्ट्रीय उद्यान (गुजरात)** के संरक्षित क्षेत्र में नविस करते हैं।
 - वर्ष 2020 के आँकड़ों के मुताबिक भारत में शेरों की संख्या 674 है, जिनकी संख्या वर्ष 2015 में 523 थी।

संरक्षण के प्रयास:

- [प्रोजेक्ट लायन](#)
- [एशियाई शेर संरक्षण परियोजना](#)

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा वगित वर्ष के प्रश्न:

प्रश्न. नमिनलखिति कथनों पर वचिार कीजयि: (2019)

1. एशयिई शेर प्रकृतकि रूप से भारत में ही पाया जाता है ।
2. दो कूबड़ वाला ऊँट प्रकृतकि रूप से भारत में ही पाया जाता है ।
3. एक सींग वाला गँडा प्रकृतकि रूप से भारत में ही पाया जाता है ।

उपरयुक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- एशयिई शेर कभी फारस (ईरान) से लेकर पूरवी भारत तक के कषेत्रों में पाए जाते थे । 1890 के दशक के अंत तक एशयिई शेरों की श्रेणी गुजरात, भारत के गरि वन कषेत्र तक सीमति हो गई । राज्य और केंद्र सरकार के नरितर परयासों से, एशयिई शेरों की आबादी वर्ष 2015 में 523 से बढ़कर वर्ष 2020 में 674 हो गई । **अतः कथन 1 सही है ।**
- दोहरे कूबड़ वाला ऊँट मूलतः **गोबी रेगसितान** में पाया जाता है और ठंडे रेगसितानों के वसितृत इलाकों, जैसे मंगोलया, चीन, कजाकसितान, तुर्कमेनसितान, उजबेकसितान और अफगानसितान के कुछ हसिसों में भी यह ऊँट देखने को मलि जाते हैं । **अतः कथन 2 सही नहीं है ।**
- एक सींग वाले गँडे उत्तर-पूरवी भारत और नेपाल के तराई घास के मैदानों में पाये जाते हैं । **अतः कथन 3 सही नहीं है ।**
- **अतः वकिल्प (a) सही है ।**

स्रोत: इकॉनोमकि टाइम्स

PDF Referenece URL: <https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-lion-day-2022>

